

Subject : Principles of Business Management

Day : Saturday
Date : 02/04/2016

S.D.E.



Time : 11.00 AM TO 02.00 PM
Max Marks : 80 Total Pages : 3

N.B.

- 1) All questions are **COMPULSORY**.
- 2) Figures to the right indicate **FULL** marks.
- 3) Answers to both the sections should be written in the **SAME** answer book.

SECTION - I

- Q.1** Attempt any **TWO** of the following **(16)**
- a) Define management. Explain features of management.
 - b) What is functional organization? State its merits.
 - c) Explain the need of forecasting.
 - d) Is management a profession? Explain.
- Q.2** Write short notes on any **FOUR** of the following **(16)**
- a) Techniques of decision making
 - b) Nature of organization
 - c) Management as a science
 - d) Types of organizations
 - e) Advantages of planning
 - f) Types of decisions

SECTION - II

- Q.3** Attempt any **TWO** of the following **(16)**
- a) What is 'direction' ? State its importance
 - b) Define 'Morale' . Give suggestions for the promotion of Morale
 - c) Explain in brief different theories of leadership.
 - d) What are the obstacles in process of delegation?
- Q.4** Attempt any **TWO** of the following **(16)**
- a) Explain the steps in process of control
 - b) Define co – ordination. Explain its importance
 - c) What is 'Motivation'? Explain its importance
 - d) Describe the different styles of leadership
- Q.5** Write short notes on any **FOUR** of the following **(16)**
- a) Nature of leadership
 - b) Nature of control
 - c) Group behaviour
 - d) Importance of communication
 - e) Need of total quality management
 - f) Decentralization of Authority

* * *

मराठी रूपांतर

सूचना:

- १) सर्व प्रश्न आवश्यक आहेत.
- २) उजवीकडील अंक प्रश्नांचे गुण दर्शवितात.
- ३) दोन्ही विभागाची उत्तरे एकाच उत्तरपत्रिकेत लिहावीत.

विभाग-१

- प्र.१ खालीलपैकी कोणतेही दोन प्रश्न सोडवा. (१६)
- अ) व्यवस्थापनाची व्याख्या करा. त्याची वैशिष्ट्ये सांगा.
 - ब) कार्यात्मक संघटन म्हणजे काय? या संघटन प्रकाराचे गुण सांगा.
 - क) पुर्वानुमानाची गरज स्पष्ट करा.
 - ड) व्यवस्थापन एक पेशा आहे. स्पष्ट करा.
- प्र.२ टीपा लिहा (कोणत्याही चार) (१६)
- अ) निर्णय प्रक्रियेची तंत्रे
 - ब) संघटनेचे स्वरूप
 - क) व्यवस्थापन एक शास्त्र
 - ड) संघटनेचे प्रकार
 - इ) नियोजनाचे फायदे
 - फ) निर्णयाचे प्रकार

विभाग-२

- प्र.३ खालीलपैकी कोणतेही दोन प्रश्न सोडवा. (१६)
- अ) निर्देशन म्हणजे काय? निर्देशनाचे महत्त्व सांगा.
 - ब) 'मनोबल' व्याख्या द्या. मनोबल उंचावण्यासाठी सूचना द्या.
 - क) नेतृत्वाचे विविध सिद्धांत स्पष्ट करा.
 - ड) अधिकार प्रदानाच्या प्रक्रियेतील अडथळे कोणते आहेत?
- प्र.४ खालीलपैकी कोणतेही दोन प्रश्न सोडवा. (१६)
- अ) नियंत्रण प्रक्रियेतील पायऱ्या स्पष्ट करा.
 - ब) 'समन्वय' व्याख्या द्या. समन्वयाचे महत्त्व स्पष्ट करा.
 - क) 'अभिप्रेरणा' म्हणजे काय? अभिप्रेरणेचे महत्त्व स्पष्ट करा.
 - ड) नेतृत्वाच्या विविध शैलींचे वर्णन करा.
- प्र.५ टीपा लिहा (कोणत्याही चार) (१६)
- अ) नेतृत्वाचे स्वरूप
 - ब) नियंत्रणाचे स्वरूप
 - क) गट वर्तन
 - ड) संज्ञापनाचे महत्त्व
 - इ) संपूर्ण गुणवत्ता व्यवस्थापनाची गरज
 - फ) अधिकाराचे विकेंद्रीकरण

* * *

हिंदी रूपांतर

सूचना:

- १) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- २) दाहिने दिए हुए अंक गुणोंका निर्देश करते हैं।
- ३) दोन्हे विभाग एकही उत्तरपत्रिकामें लिखिए।

विभाग-१

- प्र.१ निम्नलिखित प्रश्नोंमेंसे कोईभी दो का उत्तर लिखिए। (१६)
- अ) प्रबंधनकी व्याख्या देकर उसकी विशेषताएं स्पष्ट कीजिए।
 - ब) कार्यात्मक संघटन का अर्थ क्या है? उसके गुण बताइए।
 - क) पुर्वानुमानकी उपयुक्तता स्पष्ट कीजिए।
 - ड) क्या प्रबंधन एक पेशा है? स्पष्ट कीजिए।
- प्र.२ टिपण्णी लिखिए। (कोई भी चार) (१६)
- अ) निर्णय प्रक्रिया के तंत्र
 - ब) संघटन का स्वरूप
 - क) प्रबंधन एक विज्ञान
 - ड) संघटनके प्रकार
 - इ) नियोजन के गुण
 - फ) निर्णयोंके प्रकार

विभाग-२

- प्र.३ निम्नलिखित प्रश्नोंमेंसे कोईभी दो का उत्तर लिखिए। (१६)
- अ) 'निर्देशन' का अर्थ क्या है? निर्देशन का महत्त्व बताइए।
 - ब) मनोबल व्याख्या दिजिए। मनोबल वृद्धी के लिए सुझाव दिजिए।
 - क) नेतृत्वके विभिन्न सिद्धांत संक्षिप्तमें विशद कीजिए।
 - ड) अधिकार प्रदान प्रक्रियामें कौन-कौनसी बांधाए आती है?
- प्र.४ निम्नलिखित प्रश्नोंमेंसे कोईभी दो का उत्तर लिखिए। (१६)
- अ) नियंत्रण प्रक्रियाकी अवस्थाएं विशद कीजिए।
 - ब) समन्वयकी व्याख्या लिखकर उसकी महत्त्व विशद कीजिए।
 - क) 'अभिप्रेरणा' का अर्थ क्या है? उसका महत्त्व विशद कीजिए।
 - ड) नेतृत्वके विविध शैलीओंका वर्णन कीजिए।
- प्र.५ टिपण्णी लिखिए। (कोई भी चार) (१६)
- अ) नेतृत्व स्वरूप
 - ब) नियंत्रण का स्वरूप
 - क) गट वर्तन
 - ड) संज्ञापन का महत्त्व
 - इ) संपूर्ण दर्जा प्रबंधन की जरूरत
 - फ) अधिकारका विकेंद्रीकरण

* * *